46

30 AUG 2019

drishti

GENERAL STUDIES (Module – 6)

DTVF/19 (N-M)–M–**GS16**

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: सुनीता मीना **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): हिन्दी **Reg. Number:** AWAKE-19/H007

Center & Date: दिल्ली, 29.08.2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1101339

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:
इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेज़ी दोनों में छपे हैं।
सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।
प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:
*There are **FOURTEEN** questions printed both in **HINDI** and in **ENGLISH**.*
All the questions are compulsory.
The number of marks carried by a question is indicated against it.
Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.
Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए *(To be filled by Evaluator only)*

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1 (a)		7 (a)	
1 (b)		7 (b)	
2 (a)		7 (c)	
2 (b)		8 (a)	
3		8 (b)	
4 (a)		9	
4 (b)		10	
5		11	
6 (a)		12	
6 (b)		13	
		14	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

खंड - क/ SECTION - A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. (a) भावनात्मक बुद्धिमत्ता का गठन करने वाले विभिन्न घटक कौन-से हैं? यह एक लोकसेवक को अपने कर्त्तव्यों के निष्पादन में कैसे सहायता प्रदान करती है? (150 शब्द)

What are the various elements that make up emotional intelligence? How does it help a civil servant in the performance of his duties? (150 Words) 10

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य स्वयं की तथा अन्य व्यक्तियों की भावनाओं, मनः स्थितियों को समझने तथा उन्हें प्रभाव प्रबंधित करने से है। जैसे - भावनात्मक बुद्धिमत्ता द्वारा व्यक्ति किसी विषय के संबंध में कमजोरी अथवा शक्ति का पता लगाकर उसे दूर कर सकता था या उसका उचित प्रयोग कर सकता है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता के घटक

व्यक्ति के स्वयं के संदर्भ में

स्वयं से समझना (Self understanding)	स्व नियंत्रण (Self regulating)	स्व अभिप्रेरण (Self motivation)
- अपनी कमजोरी - अपनी आकांक्षा - अपनी शक्तियाँ - अपनी भावनाएँ	भावनाओं की अभिव्यक्ति कब, कैसे, कितनी करनी है।	- डायरी लिखना - छोटे लक्ष्य बनाकर पूरा करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अन्य व्यक्तियों के संदर्भ में

दूसरों की भावनाओं को समझना

- दूसरों के दुख
- दूसरों के तनाव
- दूसरों की मन:स्थिति

दूसरो की भावनाओं को प्रबंधित करना

- एक प्रेरक के रूप कार्य कर सकते है,
- विवाद सुलझा सकते है।

सिविल सेवक के लिए सहायक

स्वयं के स्तर पर

समझना

- सिविल सेवक के तौर पर अपनी कमजोरियों तथा विशेष योग्यताओं का ज्ञान

प्रबंधन

- कमजोरियों को दूर कर सफलता प्राप्त कर सकते है।
- तनाव प्रबंधन
- अन्य के साथ संबंधों का प्रबंधन

अन्य के स्तर पर

समझना

- टीम कोऑर्डिनेशन
- कर्मचारियों की क्षमता की पहचान
- क्षमताओं का अधिकतम दोहन संभव

प्रबंधन

- विवादों का आसानी से निपटारा
- अन्य की कमजोरियां परोक्ष रूप से विनम्रता पूर्वक बता सकते है।
- कर्मचारियों के लिए लीडर के रूप में कार्य कर सकते है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) पर्यावरणीय नैतिकता क्या है? पर्यावरणीय नैतिकता में शामिल विभिन्न मुद्दे कौन-से हैं?

(150 शब्द)

What is environmental ethics? What are the various issues involved in environmental ethics?

(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

पर्यावरणीय नैतिकता से तात्पर्य है पर्यावरण से संबंधित विषयों एवं पर्यावरण के उपयोग से संदर्भ में नैतिक दृष्टिकोण क्या है। उदाहरण के लिए पूंजीवादी विचारधारा में विनास के प्राथमिक महत्त्व दिया जाता है अतः पर्यावरणीय नैतिकता का स्तर निम्न होता है।

पर्यावरणीय नैतिकता के मुद्दे -

1) वैश्विक स्तर पर -

- वैश्विक स्तर पर विकसित देशों द्वारा लंबे समय से संसाधनों के दोहन तथा औद्योगिक प्रक्रियाओं द्वारा पर्यावरण को नुकसान पहुँचाया गया।

↓

इस संदर्भ में पर्यावरण को हुए नुकसान को लेकर उत्तरदायित्व का प्रश्न है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

• विकसित राष्ट्रों द्वारा पर्यावरण पर दुष्प्रभाव के कारण कई अन्य देश संकट में हैं। जैसे- मॉरीशस, फिजी जैसे द्वीपीय राष्ट्र।

↓

इन देशों के संकट का उत्तरदायित्व कौन लें?

2. <u>पारिस्थितिकी आयाम –</u>

घटती जैव विविधता तथा पारिस्थितिकी तंत्रों पर दुष्प्रभाव के लिए किसका उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो।

↓

बढ़ते पर्यावरण संकट में उसका नियंत्रण कैसे हो।

3. <u>अन्तर्पीढ़ीगत आयाम –</u>

वर्तमान के पर्यावरण दुष्प्रभावों के कारण आने वाली पीढ़ियों को होने वाली समस्याओं का नैतिक जिम्मेदार कौन है?

↓

सतत विकास के लक्ष्य से भटकाव की जिम्मेदारी किस पर।

4. <u>शरणार्थी संकट –</u>

बढ़ते पर्यावरण संकट से आपदा वृद्धि से शरणार्थियों की समस्या → उत्तरदायित्व किस पर हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. (a) सामाजिक दायित्व/जवाबदेहिता क्या है? यह दायित्व/जवाबदेहिता की पारंपरिक कार्यविधियों से किस प्रकार भिन्न है?
(150 शब्द)

What is social accountability? How is it different from traditional mechanisms of accountability?
(150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उत्तरदायित्व का तात्पर्य है किसी भी सिविल सेवक द्वारा अपने विधिक एवं विवेकाधीन अधिकारों का प्रयोग कर किए गए कृत्य के संदर्भ में विधिक व नैतिक रूप से जवाब देने की बाध्यता सुनिश्चित करना। उत्तरदायित्व दो संदर्भों में देखा जाता है-

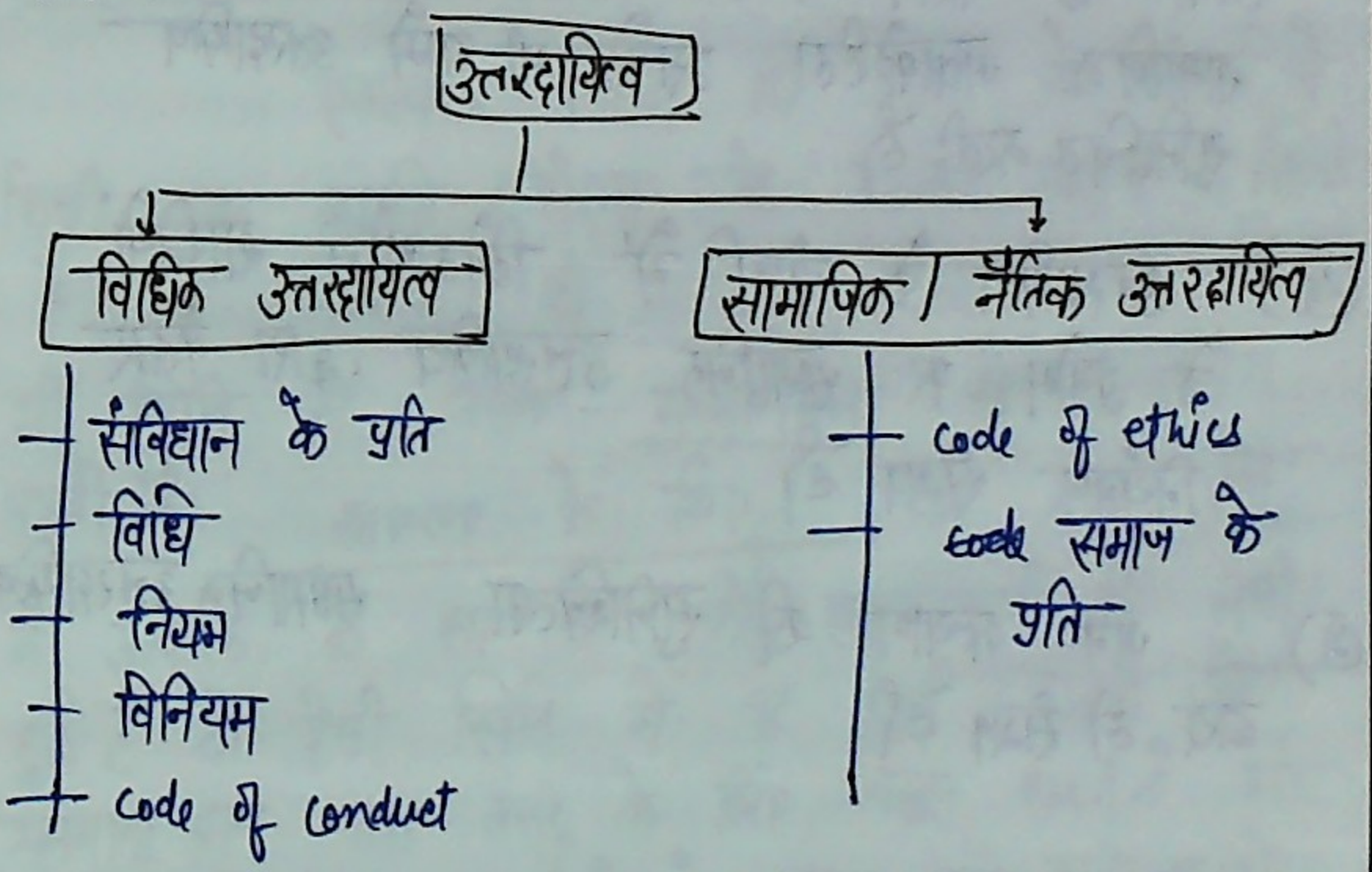

सामाजिक जवाबदेहिता –

सामाजिक जवाबदेहिता किसी सिविल सेवक को किए गए कृत्य के संदर्भ में सामाजिक मूल्यों व

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

समाज पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने से है। जैसे किसी सिविल सेवक द्वारा किसी क्षेत्र में विकास कार्य के लिए विस्थापन की घोषणा के बाद विस्थापन की प्रक्रिया में उन नागरिकों की सुविधाओं व सहजता का ध्यान रखने का दायित्व सामाजिक जवाबदेहिता है।

अन्य पारंपरिक विधियों से भिन्नता –

(क) सामान्यतः जवाबदेहिता को विधि में उल्लेखित तत्वों के पालन के रूप में देखा जाता है, परंतु सामाजिक जवाबदेहिता उससे भी आगे उत्तरदायित्व सुनिश्चित करती है।

(ख) उत्तरदायित्व के संदर्भ में विवेकाधीन शक्तियों के प्रयोग पर सामाजिक उत्तरदायित्व द्वारा बेहतर नियंत्रण संभव है।

(ग) जन कल्याण की सुनिश्चितता सामाजिक उत्तरदायित्व द्वारा ही संभव है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) एकाधिकार तथा कार्य स्वाधीनता से भ्रष्टाचार की प्रवृत्ति में वृद्धि होती है, जबकि प्रतिस्पर्द्धा तथा पारदर्शिता से भ्रष्टाचार में कमी आती है। उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिये। (150 शब्द)

Monopoly and discretion increase the propensity to corruption while competition and transparency reduce corruption. Explain with suitable examples. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

भ्रष्टाचार के कारण के रूप में सामाजिक नियंत्रण में कमी, विधियों की अस्पष्टता, कार्यान्वयन में लचीलापना, विधिक जटिलता, एकाधिकार व कार्य स्वाधीनता जैसे तत्व देखे जाते हैं।

एकाधिकार से भ्रष्टाचार पर प्रभाव -

एकाधिकार किसी भी कार्य के संदर्भ में किसी एक व्यक्ति / संस्था के एकमात्र प्रभुत्व की स्थिति है, जो विकल्पों की अनुपलब्धता समाप्त कर किसी भी स्थिति में उसके मनमानेपन को सुनिश्चित करती है। उदाहरण के लिए यदि किसी क्षेत्र में उत्पादन के रूप में कोई एक फर्म ही लगी हुई है तो ऐसी स्थिति में वह फर्म ग्राहकों से मनमाना दाम उस वस्तु के लिए वसूल सकती है और ग्राहकों को विकल्प न होने के कारण उसे खरीदना होगा

प्रतिस्पर्द्धा द्वारा समाधान -

एकाधिकार को सीमित या समाप्त कर प्रतिस्पर्धा स्थापित की जाती है ऐसी स्थिति में कंपनी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

के ज्यादा दाम मांगने पर ग्राहकों के न आने का खतरा होगा। अतः कंपनी उचित मूल्य पर बिक्री करेगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कार्य स्वाधीनता –

कार्य स्वाधीनता या विवेकाधीनता किसी संदर्भ में व्यक्ति विशेष को विवेक के अनुसार निर्णय का अधिकार देता है। अतः वह उसका दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार कर सकता है।

उदा० – कोई कर अधिकारी किसी मामले में करदाता को विवेक का प्रयोग कर अनुचित छूट प्रदान कर सकता है और इसके बदले कोई मूल्य प्राप्त कर सकता है

पारदर्शिता द्वारा समाधान –

यदि विवेकाधिकार के प्रयोग के संदर्भ में व्यक्ति के लिए कारण बताना आवश्यक कर दिया जाए तो तर्क के आधार पर निर्णय तथा उसको सार्वजनिक करना विवेकाधिकार के गलत प्रयोग को रोकेगा।

उदा० – कर के संदर्भ में अपने सभी तर्कों को online app पर उपलब्ध करवाना।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. लोकसेवा के संदर्भ में निम्नलिखित की प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिये: (150 शब्द) 10

Examine the relevance of the following in the context of civil service: (150 Words)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) शुचिता

Probity

'शुचिता' किसी सिविल सेवक द्वारा अपने व्यावसायिक संदर्भों में सत्यनिष्ठा का पालन करना है। यद्यपि संभव है कि वह निजी जीवन में उन पर पूर्णतया खरा न उतरे।

शुचिता द्वारा सिविल सेवक अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन, अनुशासन, भ्रष्टाचार न करना, समयबद्धता, नियमों का पालन सुनिश्चित करता है।

(b) निष्पक्षता

Neutrality

निष्पक्षता किसी विषय / मामले में अपने व्यक्तिगत पक्ष / विपक्ष से पृथक होकर पूर्णतः वस्तुनिष्ठ होकर निर्णय करने की स्थिति है।

निष्पक्षता द्वारा सिविल सेवक हितों के टकराव, न्याय की सुनिश्चितता, भेदभाव का अंत, सभी का कल्याण तथा वंचितों का उत्थान सुनिश्चित कर सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) अनुक्रियता

Responsiveness

अनुक्रियाशीलता किसी संदर्भ में नागरिकों द्वारा दिए गए सुझाव / शिकायत का संज्ञान करके उसका उचित हल निकालने की तत्परता से है।

इसके द्वारा शासन को जनोन्मुखी, जन कल्याणकारी, समतामूलक, न्यायपूर्ण, जन सहभागी, तथा समावेशी बनाया जा सकता है

(d) स्पष्टता/खुलापन

Openness

विभिन्न कानूनो, नियमों, प्रक्रियाओं में स्पष्टता व पारदर्शिता ही खुलापन है।

इसके द्वारा नागरिक की पहुँच प्रक्रियाओं को जानने तक होती है। उत्तरदायित्व सुनिश्चित करना आसान होता है। खुलेपन से कार्य में तीव्रता, स्पष्टता एवं निष्पक्षता सुनिश्चित होगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(e) दृढ़ता

Fortitude

किसी भी सिविल सेवक को कई बार ऐसी नैतिक व विधिक परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है जहाँ धैर्य व मानसिक संतुलन निरंतर बनाए रखना आवश्यक है।

दृढ़ता द्वारा व्यक्ति उचित निर्णय करने में सक्षम होगा। दबाव में आने से बचेगा। जन कल्याण व निष्पक्षता, न्याय सुनिश्चित होगें।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4. (a) भारत में जन-जीवन को विकृत (अपकर्षित) करने वाले मापदंडों के पीछे क्या कारण हैं? इस प्रवृत्ति को कैसे रोका जा सकता है? (150 शब्द)

What are the reasons behind deteriorating standards of public life in India? How this trend can be arrested? (150 Words) 10

भारत में जन-जीवन को विकृत करने वाले कारकों के पीछे कई कारण देखे जा सकते है-

1) बढ़ती अतिव्यक्तिवादिता –
- सामाजिक संबंधों में गिरावट
- समाज से अलगाव
- अकेलापन
- तनाव
- आत्महत्याएं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

२) बढ़ता उपभोक्तावाद –

- मानवीय / नैतिक मूल्यों में गिरावट
- अत्यधिक भोग की प्रवृत्ति बढ़ी है

3.) आर्थिक स्थिति का बढ़ता महत्व –

- व्यक्ति के आकलन का आधार उसकी संपत्ति व आर्थिक ताकत हो गया है।
- सज्जन व नैतिक व्यक्तियों का महत्व आपेक्षिक हो गया है। उन्हें मजाक के पात्र के रूप में देखा जाता है।

५) सफलता सर्वोपरि लक्ष्य (साधन-साध्य पवित्रता पर बल नहीं)

- हेम-केन प्रकारेण सफलता प्राप्ति पर बल
- साधनों के औचित्य पर विचार नहीं
- सफलता के लिए जीवन का भी कोई मूल्य नहीं

5.) नैतिकता का स्तर –

- नैतिक मूल्यों में गिरावट
- बढ़ते अपराध

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यद्यपि समाज में विभिन्न प्रकार की विकृतियाँ आई हैं, परंतु कुछ अच्छे मूल्य भी विकसित हुए हैं —

- व्यक्ति की निजता व योग्यता को महत्व
- वंचितों को अधिकार जैसे - महिला, SC/ST, तीसरे लिंग
- पर्यावरण को लेकर सजगता
- समानता व स्वतंत्रता

रोकने के उपाय —

1) स्कूली स्तर पर पाठ्यक्रम में सुधार
2) स्कूल, कॉलेजों में सर्वांगीण विकास पर बल
3) तकनीक के विवेकपूर्ण उपयोग पर बल
4) राजनीति में नैतिकता सुनिश्चित हो, कानूनी उपाय किए जाए।
5) सिविल सेवकों व नेताओं के चयन में प्रक्रिया में सुधार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) वैश्वीकरण की प्रक्रिया के कारण उपजी नैतिक चुनौतियों का उल्लेख करते हुए इन चुनौतियों को दूर करने के उपाय सुझाइये। (150 शब्द)

While mentioning the ethical challenges that the process of globalization has engendered, suggest ways to overcome these challenges. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण के कारण विश्व के विभिन्न देशों में अंतराल कम हुए है तो साथ ही कुछ नैतिक चुनौतियाँ भी उपजी हैं।

वैश्वीकरण की चुनौतियाँ

- आर्थिक
- सामाजिक
- राजनीतिक
- धार्मिक
- पर्यावरणीय

1. आर्थिक चुनौतियाँ

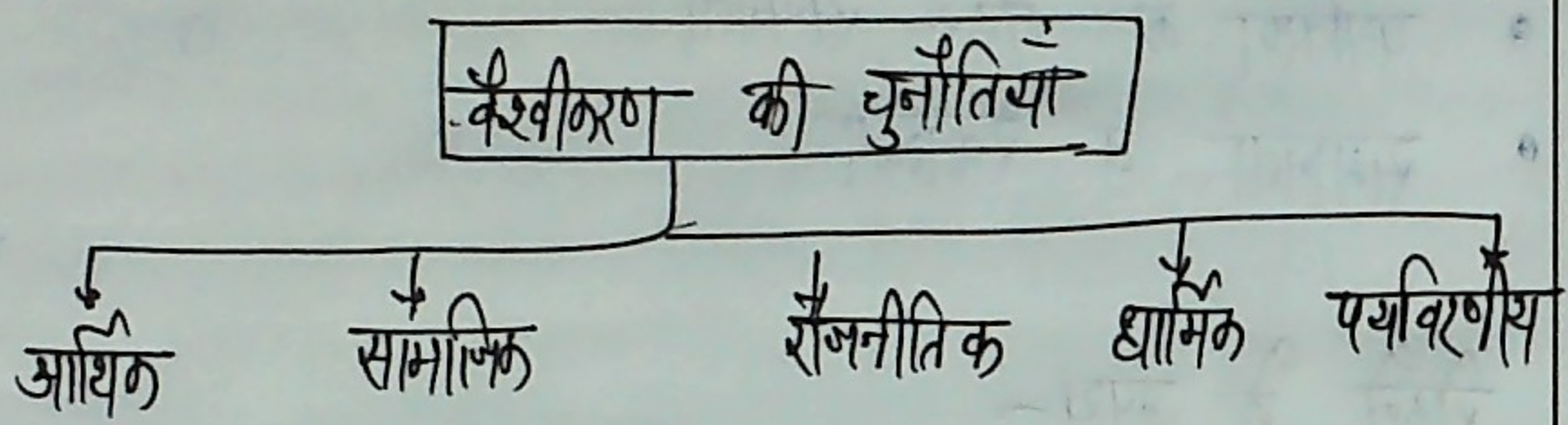

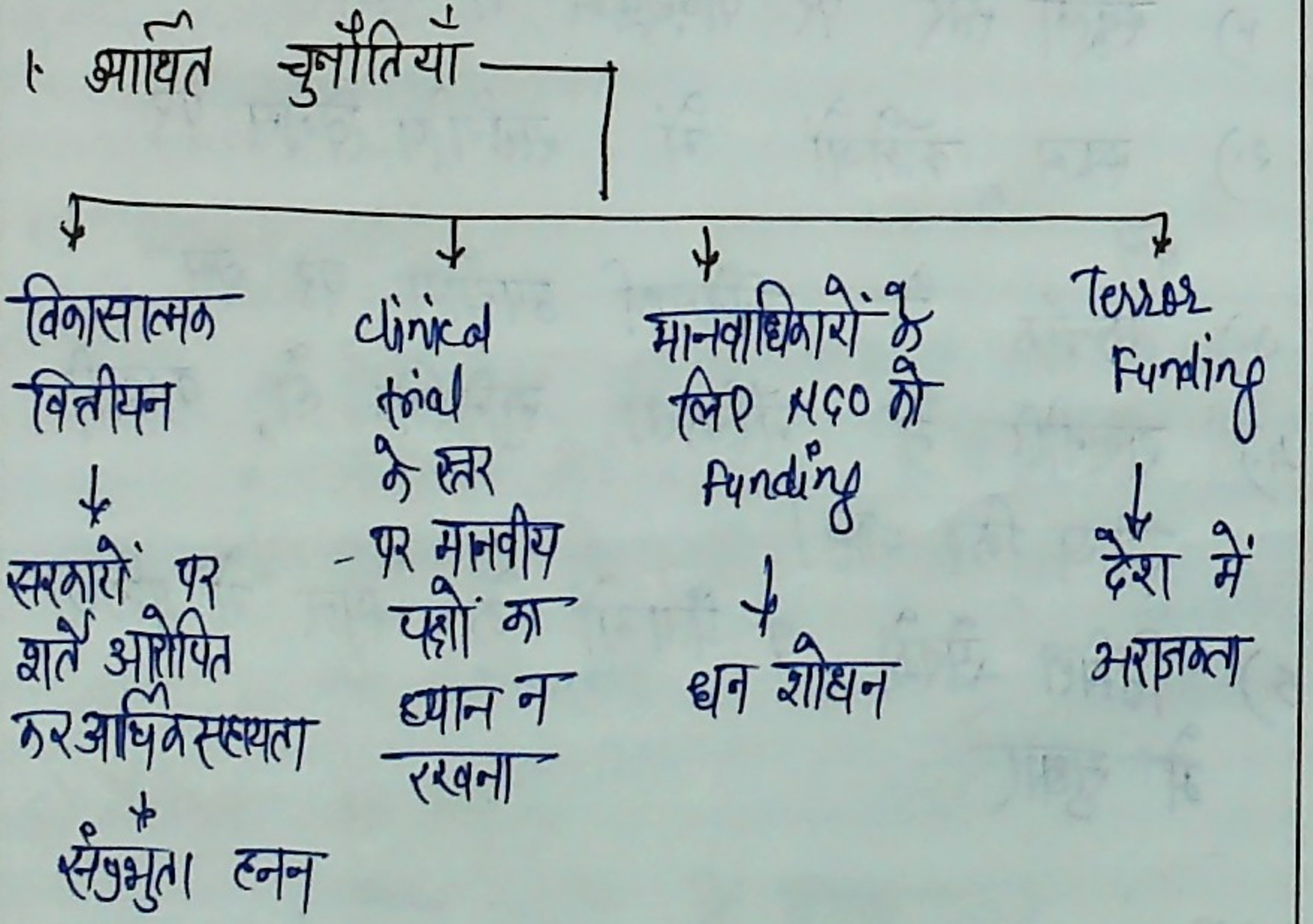

- विनाशात्मक वित्तीयन → सरकारों पर शर्तें आरोपित कर आर्थिक सहायता → संप्रभुता हनन
- clinical trial के स्तर पर मानवीय पक्षों का ध्यान न रखना
- मानवाधिकारों के लिए NGO को funding → धन शोधन
- Terror Funding → देश में अराजकता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सामाजिक

- देश की संस्कृति को हीन दिखाने का प्रयास
- विभिन्न माध्यमों से अपनी संस्कृति का प्रचार कर दूसरे राष्ट्रों पर थोपना
  - अमेरिकीकरण

राजनीतिक

- चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करना
- विदेशी चंदा
- राष्ट्रीय हितों से समझौता

धार्मिक

- कट्टरता के नाम पर अपने धर्म का प्रचार-प्रसार
- धार्मिक त्योंहार
  - क्रिसमस
  - वेलेन्टाइन डे
- लालच द्वारा धर्मान्तरण

पर्यावरण

औद्योगिकरण से पर्यावरण संकट → द्वीपीय क्षेत्र

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

5. निम्नलिखित के मध्य विभेद कीजिये: (150 शब्द)

Differentiate between the following: (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(a) वैयक्तिक नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता

Personal ethics and professional ethics

वैयक्तिक नैतिकता	व्यावसायिक नैतिकता
• इसमें व्यक्ति और की निजी व गोपनीय जानकारी विश्वास के आधार पर साझा की जाती है।	• इसमें संबंध कानूनी होता है और जानकारी व्यवसाय से संबंधित होती है।
• भावनात्मक संबंध पर आधारित	• प्रभाव पूरे समाज पर व्यवसाय पर पड़ता है।
• प्रभाव केवल व्यक्ति पर जैसे- परिवार व व्यक्ति वकील व व्यक्ति डॉक्टर व व्यक्ति	

(b) समानुभूति और करुणा

Empathy and compassion

समानुभूति	करुणा
• समानुभूति किसी अन्य की भावनाओं को संज्ञानात्मक स्तर पर समझने की स्थिति है। ↓ यदि इसमें भावनात्मक पक्ष शामिल हो जाता है तो उसे सहानुभूति कहते हैं।	• किसी पीड़ित या दमित या कष्ट में व्यक्ति पर दया की भावना के साथ-साथ त्याग तथा सहायता करने का भाव करुणा है। जैसे- किसी भूखे बच्चे को देखकर उसे खाना खिलाना।

शुष्कता — केवल संज्ञान — संज्ञान + भावना — संज्ञान + भावना + अभिव्यक्ति

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(c) नीतिशास्त्र और नैतिकता

Ethics and morality

नीतिशास्त्र	नैतिकता
• 'Ethica' (Greek word) से व्युत्पन्न	• 'Mores' से व्युत्पन्न
• समाज व संस्कृति के आधारभूत आदर्श / नैतिक तत्व	• लोक रूढ़ियाँ व परंपराएँ
• आंतरिक नैतिकता	• नीतिशास्त्र के पालन के लिए बनाए गए व्यवहारिक प्रतिमान
~~•~~ बड़ों का सम्मान	~~•~~ पैर छूना

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

(d) नीति-संहिता और आचार-संहिता

Code of Ethics and Code of Conduct

code of ethics	code of conduct
• आधारभूत नैतिक मूल्य जैसे सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता।	• नीति संहिता के पालन के लिए बनाए गए प्रतिमान जैसे- 10 बजे ऑफिस आना, 5 min लेट होने पर आधी छुट्टी काट ली जाएगी
• नैतिक दबाव	• नैतिक + कानूनी दबाव
• परिवर्तन कठिन	• परिवर्तन आसान
• प्रायः सभी के लिए एक समान	• प्रत्येक व्यवसाय के लिए पृथक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. (a) लोक निधियों का प्रभावी उपयोग न केवल अर्थव्यवस्था तथा लोक वित्त की दक्षता के लिये, बल्कि समाज की विकास आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये भी अत्यावश्यक है। चर्चा कीजिये।

(150 शब्द)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

Effective utilization of public funds is essential not only for economy and efficiency of public finance but also for meeting the development needs of the society. Discuss.

(150 Words) 10

लोक निधि से तात्पर्य है सरकार / संसद द्वारा उपलब्ध करवाई गई धनराशि जिसका उपयोग सार्वजनिक हित में किया जाना है।

अर्थव्यवस्था के लिए —

- विवेकपूर्ण उपयोग वित्त भार कम करेगा
- समाज के सभी वर्गों का समावेशन
- सतत विकास

लोक वित्त की दक्षता

- सरकारी योजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन
- जन कल्याण
- वंचित वर्गों को प्रोत्साहन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- समाज का विकास -

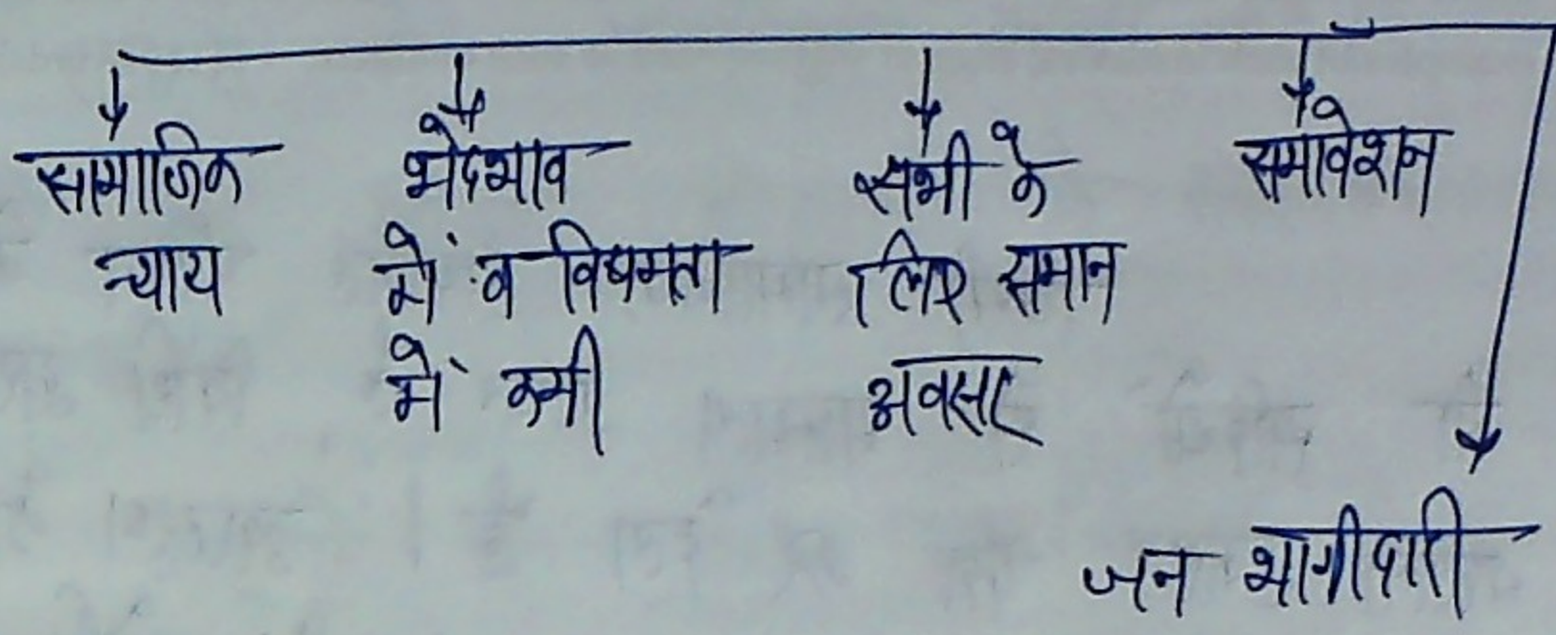

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) प्रायः ऐसा समय भी आता है जब नीतिशास्त्र और विधि एक-दूसरे से संघर्ष करते प्रतीत होते हैं। उदाहरण देते हुए ऐसे संघर्षों के समाधान हेतु उपाय सुझाइये। (150 शब्द)

There are times when ethics and law come in conflict with each other. While citing examples of such instances, suggest ways to resolve such conflicts. (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

किसी सामाजिक प्रचलित परंपरा को जो सदियों से मान्यता प्राप्त है, विधि द्वारा बदलना टकराव पैदा कर देता है। उदाहरण के लिए ① समलैंगिकता के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनु 377 को हटाना समाज के नीतिशास्त्र के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया।

② इसी प्रकार तीन तलाक का उन्मूलन जहाँ महिला सशक्तिकरण व लैंगिक समानता के लिए आवश्यक है। वहीं सामाजिक प्रथा के लिए एक चुनौती है।

③ ~~पर्यावरण~~ सती प्रथा का उन्मूलन सामाजिक नीतिशास्त्र का विरोध है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपाय -

(1) समाज में जागरूकता बढ़ायी जाए।

(2) ~~श~~ शिक्षण संस्थानों के स्तर पर प्रयास

(3) कानूनों का कठोर क्रियान्वयन

(4) सामाजिक स्तर पर NGO का जागरूकता अभियान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. भारत में एक स्वस्थ राजनीतिक संस्कृति के अनुपालन में निम्नलिखित की भूमिका को स्पष्ट कीजिये: (150 शब्द)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

Explain the role of the following in bringing about a healthy political culture in India: (150 Words) 10

(Candidate must not write on this margin)

(a) राज्य द्वारा चुनावों का वित्तपोषण

State funding of elections

समस्या - चुनावों के अत्यधिक खर्च भ्रष्टाचार का एक बड़ा कारण है। इससे न केवल अपराधी व रसूखदार लोग सत्ता में पहुँचते हैं बल्कि सज्जन व गरीब वंचित रह जाते हैं।

प्रभाव - सभी को पर्याप्त मौका

(b) दल-बदल विरोधी कानून को सुदृढ़ करना

Tightening of anti-defection law

समस्या - दल-बदल द्वारा नेता जनता के आदेश का उल्लंघन करते है तथा व्यक्तिगत लाभ के लिए जनता के हितों से समझौता करते हैं।

प्रभाव - जन भावनाओं व संवैधानिक मूल्यों का पालन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(c) लोकसेवकों के लिये नीति-संहिता
Code of ethics for public servants

समस्या — लोकसेवकों द्वारा व्यक्तिगत लाभ के लिए पद का दुरुपयोग

प्रभाव — ① नैतिक उत्तरदायित्व इन्हें अनैतिक कार्य करने से रोकेगा।

② जन कल्याण — संवेदनशीलता ↑

③ निष्पक्षता — न्यायप्रियता ↑

④ सत्यनिष्ठा व ईमानदारी — भ्रष्टाचार ↓

⑤ सहिष्णुता — सौहार्द ↑

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

8. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण से आप क्या समझते हैं?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "खुशी तब होती है जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, में एक सामंजस्य होता है।" – महात्मा गांधी (150 शब्द)

"Happiness is when what you think, what you say, and what you do are in harmony"
–Mahatma Gandhi (150 Words) 10

व्यक्ति की खुशी

↓

मन, वचन, कर्म का सामंजस्य

↓

- नैतिक दुविधा नहीं होगी
  ↓
  तनाव नहीं होगा
  जैसे गरीबों के प्रति घृणा रखने वाला जन कल्याण खुशी से नहीं कर पाएगा।
- कर्तव्यपालन आसान होगा
  ~~[illegible]~~ ईमानदार के लिए रिश्वत के लिए मना करना आसान होगा।
- आत्मसंतोष
  ↓
  सुख
  ↓
  आनंद

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

इसका समाधान संभव है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(b) "मैं अपने दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने से ज़्यादा बहादुर उसे मानता हूँ जो अपनी इच्छाओं को नियंत्रित कर लेता है क्योंकि स्वयं पर जीत अत्यंत कठिन होती है।" – अरस्तू (150 शब्द)

"I count him braver who overcomes his desires than him who conquers his enemies, for the hardest victory is over self." — Aristotle (150 Words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दूसरों पर विजय

↓ बलप्रयोग ↓ प्रेम ↓ दबाव

↓

दूसरों को नियंत्रित कर सकेंगे। क्योंकि बल प्रयोग द्वारा अन्य पर नियंत्रण आसानी से संभव है – ~~स्वयं~~ पर

जैसे – प्राचीन काल के शासकों द्वारा विजय

स्वयं पर नियंत्रण

↓

अपनी मनःस्थितियों के समझना

↓ सरल मनःस्थिति — ↓ जटिल मनःस्थिति

↓ आसान — ↓ कठिन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वासनाओं का जन्मजात होना

↓

नियंत्रण नहीं करेंगे तो दुर्गुण

↓

नियंत्रण के लिए बार-बार निरंतर कठोर अभ्यास

↓

क्योंकि जन्मजात प्रवृत्तियों को नियंत्रित करना कठिन है।

↓

जो खुद को नियंत्रित कर लेगा, अन्य को नियंत्रित करना आसान होगा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड - ख/ SECTION - B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

9. राजेश किसी ज़िले में एक प्रमुख तेल विपणन कंपनी के लिये ज़िला नोडल अधिकारी के रूप में नियुक्त है। उसे ज़िले में उज्जवला योजना को सफल बनाने के लिये अधिकृत किया गया है। हालाँकि उसे पता चलता है कि इस योजना के प्रति लोगों की व्यावहारिक समस्याएँ एक बड़ी बाधा है। अधिकांश निवासियों को यह आशंका है कि एल.पी.जी. पर पकाया गया भोजन अस्वास्थ्यकर और स्वादहीन होता है। वे एल.पी.जी. के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी आशंकित हैं। एल.पी.जी. पंचायत तथा सुरक्षा जागरूकता शिविरों के आयोजन के बाद भी ये चुनौतियाँ बनी हुई हैं और निवासियों ने इन्हें भ्रामक बताते हुए पूर्णत: बहिष्कृत कर दिया है। इसके अतिरिक्त अन्य कारक जो इस योजना की सफलता को प्रभावित कर रहे हैं, उनमें बायोमास की सस्ती उपलब्धता एवं एल.पी.जी. सिलेंडर को फिर से भरने में लोगों की अवहनीय क्षमता भी शामिल है।

उपरोक्त स्थिति में राजेश के समक्ष उपस्थित विकल्पों को चिह्नित कर उनका मूल्यांकन कीजिये ताकि वह ज़िले में उज्जवला योजना को सफल बना सके। (250 शब्द)

Rajesh is posted as a District Nodal Officer for a leading oil marketing company in a certain district. He has been authorized to make the Ujjawala scheme a success in the district. However, he finds that behavioral issues on the part of residents is a big hurdle. Most of the residents have the apprehension that food cooked on LPG is not healthy and is tasteless. They are also apprehensive about the safety of LPG. These challenges persist even after the conduct of LPG Panchayat and safety awareness camps, and residents dismiss these as misleading. Apart from this, other factors that are checking the success of the scheme include cheap availability of biomass and unaffordability to refill LPG cylinder.

In view of the above situation, identify and evaluate the options before Rajesh so that he can make Ujjawala scheme successful in the district. (250 Words) 20

समस्या का विश्लेषण – इस समस्या में निम्न लिखित मुख्य तत्व हैं –

- उज्जवला योजना के क्रियान्वयन में व्यावहारिक समस्याएँ
- L.P.G. को लेकर लोगों की आशंकाएँ
- LPG पंचायत/जागरूकता शिविरों की असफलता
- LPG की वहनीयता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रमुख हित धारक

- जिला नोडल अधिकारी के रूप में राजेश
- सरकार → उज्ज्वला योजना
- जनता → समाज
- पर्यावरण
- स्थानीय संस्थाएं

प्रयोगतव्य क्षमताएं —

- पर्सुएशन
- कर्तव्यनिष्ठा
- धैर्य
- रचनात्मकता
- जनता से अनुक्रिया

उपलब्ध विकल्प —

1) पहला विकल्प यह है कि चूंकि लगभग हर संभव प्रयास किया जा रहा है फिर भी लोगों की मानसिकता में बदलाव नहीं आया है। अत: 'wait and watch' नीति अपनायी जाए और धीरे-धीरे स्थिति सुधरेगी।

लाभ — तनाव से बचाव

हानि — ↳ कर्तव्यों से विमुखता
↳ योजना की विफलता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

↳ जन कल्याण की हानि

(ii) दूसरा विकल्प यह है कि कानूनी कार्यवाही द्वारा लोगों को LPG के प्रयोग की बाध्यता पैदा की जाए।

लाभ — ↳ LPG का प्रयोग → योजना की सुनिश्चितता
↳ पर्यावरण की सुरक्षा

हानि — ↳ शक्ति का दुरुपयोग
↳ जन असंतोष

(iii) तीसरा विकल्प यह है कि सर्वेक्षण के माध्यम से वास्तविक समस्या का आकलन किया जाए और उसके आधार पर निम्नलिखित उपाय हों —

(क) पंचायत एवं ग्राम सभाओं का सहयोग प्राप्त कर स्थानीय स्तर पर जागरूकता पैदा की जाए। स्थानीय लोगों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम अधिक प्रभावी होंगे।

(ख) चूँकि जनता में स्वास्थ्य व स्वाद को

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लेकर संशय है। अतः नाटकों तथा अन्य इस प्रकार के माध्यम से विभिन्न स्थानों पर जन कार्यक्रम चलाए जाएँ।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ग) लोगों को स्वास्थ्य पर होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाए। इस संदर्भ में ASHA व ANM का सहयोग लिया जा सकता है जो महिलाओं को जागरूक करें।

(घ) वहनीयता के लिए सरकारी स्तर पर सब्सिडी उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जाए जो अस्थायी हो और धीरे-धीरे कम करते हुए कुछ वर्षों में समाप्त कर दी जाए।

(ङ) यह जागरूकता कि LPG पर खाना बनाना बेहद आसान है और कुछ उपायों द्वारा सुरक्षा पूर्णतः सुनिश्चित होगी, लोगों को प्रेरित करेगी।

(च) उत्प्रेरण के रूप में कुछ लोगों को सम्मानित (Nudge economy) कर सकते हैं।

इस विकल्प के निम्न लाभ हैं —

→ कर्तव्यपालन
→ योजना की कार्यान्वयन सुनिश्चित
→ पर्यावरण सुरक्षा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

अन्तिम विकल्प ही बेहतर विकल्प है जो योजना को सफल कार्यान्वियन सुनिश्चित करेगा।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must not write on this margin

— x — x —

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. एक ज़िले में एक के बाद एक जाति आधारित अत्याचार की कुछ घटनाएँ घटित हुई हैं। इससे उत्पीड़ित जातियों के समूह ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। इस प्रकार के एक विरोध प्रदर्शन में व्यापक हिंसा हुई। कई लोग घायल हुए, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हुए और स्थानीय अस्पताल में उनका उपचार किया जा रहा है। उस अस्पताल में कर्मचारियों की संख्या आवश्यकता से कम है तथा बुनियादी सुविधाओं का भी अभाव है। इस अव्यवस्थात्मक स्थिति में एक गर्भवती महिला जिसे विरोध प्रदर्शन के कारण अस्पताल पहुँचने में देरी हो जाती है, अस्पताल में भर्ती होती है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उपरोक्त आपातकालीन स्थिति के मद्देनज़र डॉक्टरों ने अन्य मरीज़ों की अपेक्षा उसे अधिक महत्त्व देते हुए उसका ऑपरेशन किया। इसी बीच एक घायल दलित युवक ने दम तोड़ दिया। इसे जातिगत पूर्वाग्रह तथा डॉक्टरों की लापरवाही का मामला करार देते हुए अस्पताल प्रशासन के खिलाफ बड़े स्तर पर हिंसा हुई, जिसका स्थानीय राजनेताओं ने समर्थन किया। परिणामस्वरूप कुछ रेज़िडेंट डॉक्टरों को गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद डॉक्टरों ने हड़ताल शुरू कर दी, जिससे कई लोगों की जान चली गई।

(a) मान लीजिये कि आप संबंधित ज़िले के ज़िलाधिकारी हैं और राज्य मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष आपसे विभिन्न पक्षों की विश्वसनीयता का निर्धारण करने के लिये कहता है, तो आपकी रिपोर्ट का विवरण क्या होगा?

(b) आप क्या सुझाव देंगे ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएँ घटित न हों?

(c) यह जानते हुए भी कि ऐसा करना समाज हित के विपरीत है क्या आप इस बात से सहमत हैं कि डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा विरोध सही है? (250 शब्द)

In a district few incidents of caste based atrocities have taken place in quick succession. This has led to protest movement by group belonging to the oppressed castes. In one such protest there was large scale violence. Many people got injured, some severely, and they are being treated in a local hospital. The hospital is understaffed and also lacks infrastructure. In such a chaotic situation, a heavily pregnant lady, who got delayed due to protest was admitted to the hospital. In view of the above emergency case, doctors attended to her and got her operated. Meanwhile a young dalit youth succumbed to his injuries. Terming this to be a case of caste bias and negligence on the part of doctors, large scale violence against the hospital administration started, which was supported by local politicians. This resulted in severe and critical injury to some resident doctors, after which doctors went on a flash strike which resulted in more loss of lives.

(a) Suppose you are District Magistrate of the area concerned, and chairman of the State Human Rights Commission asks you to determine the culpability of different parties, what will be the content of your report?

(b) What will be your suggestions so that such type of incidents are avoided in the future?

(c) Do you agree that doctors are right in their protest given that it is against the greater good. (250 Words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समस्या का विश्लेषण निम्न तथ्यों के आधार पर किया जा सकता है –

- जातिगत संघर्ष व हिंसा
- महिला का आपातकालीन इलाज को डॉक्टरों के पूर्वाग्रह से जोड़ा जा रहा है।
- डॉक्टरों पर हमले फलतः वे भी हड़ताल पर हैं।
- कई लोगों की मौत

प्रमुख हित धारक

- समाज → दोनों जातियों के लोग
- अस्पताल → कर्मचारियों का अभाव
- डॉक्टर
- जिलाधिकारी
- मानवाधिकार आयोग

प्रयोगतथ्य क्षमता

- धैर्य
- निष्पक्षता
- सत्यनिष्ठा
- संवेदनशीलता व समानुभूति
- सहिष्णुता
- कर्तव्य निष्ठ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(क) राज्य मानवाधिकार आयोग द्वारा माँगी गयी रिपोर्ट

- सर्वप्रथम स्थानीय स्तर पर सर्वेक्षण द्वारा यह सुनिश्चित करने का प्रयास करूंगी कि विवाद का मूल कारण क्या रहा है?
- दोनों जातियों के नेताओं से मिलकर समस्या के संदर्भ में उनके विचारों को जानने का प्रयास
- अस्पताल प्रशासन से बातचीत तथा उन्हें आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो।
- डॉक्टरों के नेताओं से बातचीत तथा उन्हें नैतिक दबाव द्वारा कार्य पर लौटने का प्रयास
- मृत लोगों के संदर्भ में उत्तरदायित्व सुनिश्चित हो व राज्य द्वारा सहायता का भी प्रयास किया जाए।
- घायल हुए लोगों के इलाज की यथोचित व्यवस्था

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ख) सुझाव -

i) प्रशासनिक सक्रियता सुनिश्चित हो, प्रशासन की विफलता स्थानीय स्तर पर संघर्ष को रोक पाने में रही।

ii) स्थानीय अस्पताल में आवश्यक ~~अवस्था~~ बुनियादी सुविधाओं की सुनिश्चितता की जाए ताकि सभी को सेवाएँ मिल सकें।

(iii) जिले में जाति आधारित अत्याचार की घटनाओं का संज्ञान लेकर कार्यवाही की जाए ताकि भविष्य ऐसे मामलों को रोका जा सके।

(iv) डॉक्टरों का भी उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने की व्यवस्था हो।

(v) डॉक्टरों द्वारा किया गया विरोध सीमित अर्थ में नैतिक भले ही माना जा सकता है, परंतु व्यापक हित संदर्भ में

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उसके औचित्य पर प्रश्न चिन्ह है। डॉक्टरों पर हमलों के संदर्भ में हमलावारों को प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जा सकती थी।

हड़ताल के कारण कई व्यक्तियों की जान चली गई। अतः इसे उचित मानना गलत होगा। व्यक्ति का जीवन सर्वोपरि है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. छात्रों का एक समूह नदी के किनारे स्थित एक गाँव में जाता है, जो बहुत ही खराब स्थिति (बुनियादी सुविधाओं की कमी) में है। वहाँ लोग बिजली, स्वच्छता, जल आपूर्ति जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना झोपड़ियों में निवास कर रहे हैं। उपरोक्त अभावों के परिणामस्वरूप समीप के अन्य गाँवों ने इस गाँव का बहिष्कार कर दिया है, यहाँ तक कि इस गाँव को 'कुँवारा गाँव' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि कोई भी व्यक्ति अपनी पुत्री का विवाह इस गाँव में नहीं करता है। उनकी अवस्था को देखने के बाद छात्रों के इस समूह ने ज़िला प्रशासन से संपर्क करने का निर्णय लिया। इस अत्यंत विकृत स्थिति के बारे में पूछे जाने पर अधिकारियों ने बताया कि यह गाँव गंभीर रूप से संकटापन्न प्रजातियों की सुरक्षा हेतु सरकार द्वारा संरक्षित क्षेत्र की सूची में श्रेणीबद्ध है।

नियमों के अनुसार, नदी तट से 500 मीटर के भीतर कोई निर्माण गतिविधि नहीं हो सकती है क्योंकि किसी भी प्रकार की निर्माण गतिविधि संरक्षित क्षेत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी।

एक ज़िलाधिकारी के रूप में कुछ संभावित रणनीतियों पर चर्चा कीजिये जिन्हें इस क्षेत्र के विकास हेतु अपनाया जा सकता है।
(250 शब्द)

A group of students visit a village, situated on the bank of a river, which is in very poor condition. People are residing in shanties without basic infrastructure, like electricity, sanitation and water supply. Further, other villages in the close vicinity have boycotted this place, due to the above limitations, so much so that it is known as bachelor village as nobody marries their daughter in this village. After watching their condition, this group of students decided to approach the district administration. Questioned about the abysmal state of affairs, authorities pointed out that the village lies in the protected area especially earmarked by the government for protection of critically endangered species.

According to the rules there can be no construction activity within 500 meters of the river bank because any kind of construction activity would adversely affect the conservation zone.

As a District Collector, discuss some possible strategies which could be adopted to bring development to this area.
(250 Words) 20

समस्या का विश्लेषण निम्न तथ्यों के आधार पर किया जा सकता है –

- संकटापन्न प्रजातियों के लिए संरक्षित क्षेत्र (वन्यजीव संरक्षण अधि॰, 1972)
- बुनियादी सुविधाओं से अभावग्रस्त गाँव (अनु॰ 21)
- ग्रामीणों का बहिष्कार (अनु॰ 14, 15)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

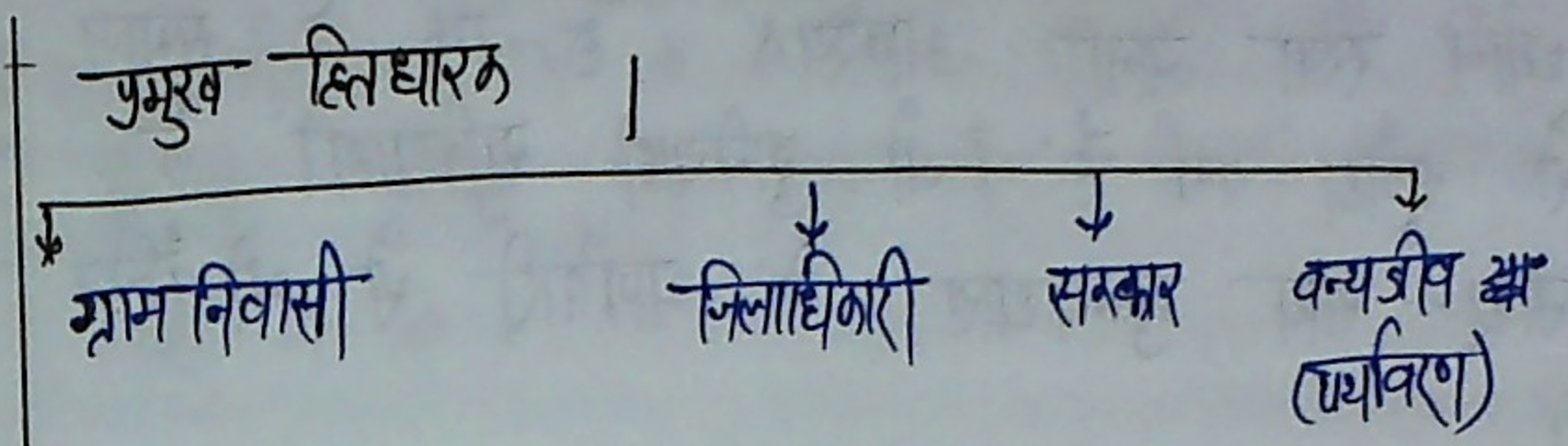

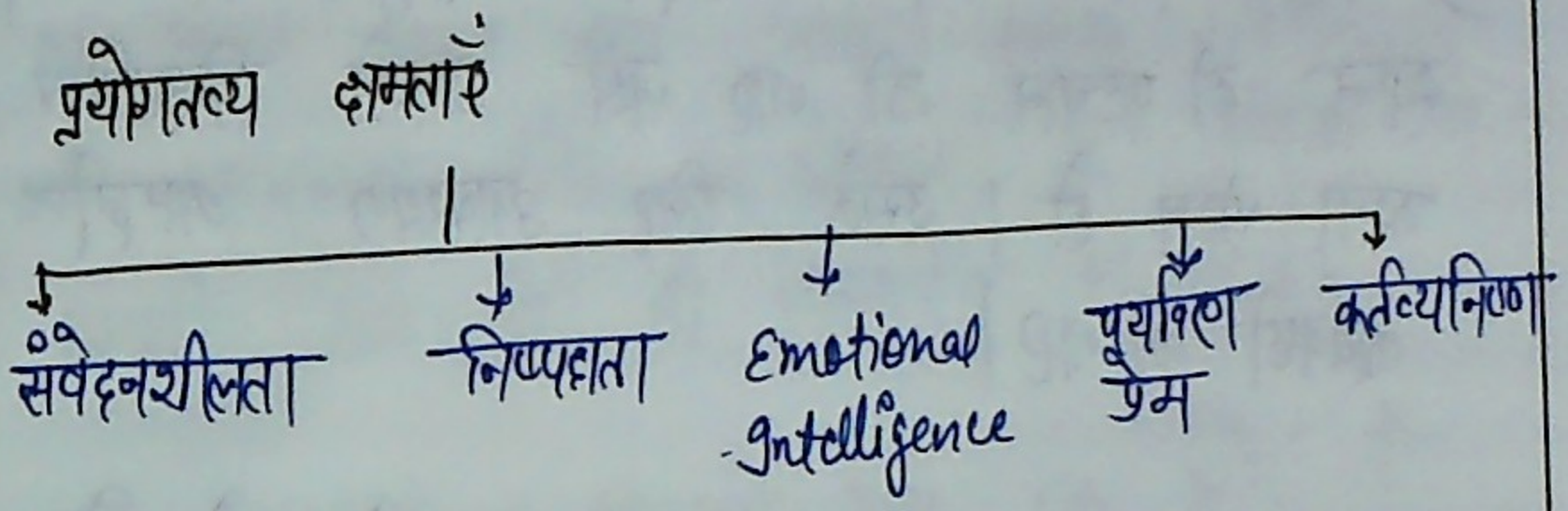

समस्या का समाधान -

i) चूँकि गाँव संरक्षित क्षेत्र में बना हुआ है अतः संरक्षित वन्यप्राणियों को खतरा हो सकता है साथ ही यह कानून का भी उल्लंघन है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों का विस्थापन आवश्यक हो।

ii) ग्रामीणों के विस्थापन के संदर्भ में यह

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ध्यान रखा जाना आवश्यक है कि वे समाज से सुभेद्य वर्ग हैं। जो बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ मुख्यधारा में भागीदारी से भी वंचित हैं।

iii) इस संदर्भ में सर्वप्रथम सर्वेक्षण द्वारा किसी स्थान की पहचान की जाए जहाँ उनको विस्थापित करना संभव हो। इसके लिए आवश्यक कार्यवाही की जाए।

iv) उस भू-खण्ड पर सरकारी योजनाओं के सहयोग से पेयजल, विद्युत व स्कूल की व्यवस्था की जा सकती है। साथ ही आवास योजना के तहत आवास भी निर्मित किए जा सकते हैं।

v) ग्रामीणों के लिए मनरेगा के तहत या कौशल विकास द्वारा वैकल्पिक रोजगार की व्यवस्था की जा सकती है।

vi) ग्रामीणों को अधिकारों के प्रति जागरूक बनाया जाए।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(vii) संरक्षित क्षेत्र के संदर्भ में भी यह सुनिश्चित है कि किसी प्रकार की गैर-कानूनी गतिविधि वहाँ न हो।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(viii) ग्रामीणों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया जाए तथा अन्य लोगों में भी जागरूकता पैदा कर भेदभाव के संदर्भ में कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी जाए।

उपरोक्त विकल्पों द्वारा एक ओर तो पर्यावरण संरक्षण हो सकेगा तो साथ ही ग्रामीणों का उत्थान भी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. रमेश एक ऐसे ज़िले का ज़िलाधिकारी है, जो ज़िला नशीली दवाओं के कारण दयनीय स्थिति में है। राज्य सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिये एक विशेष अभियान शुरू किया है, जिसमें नशीली दवाओं से प्रभावित ज़िलों में दो घटक शामिल किये गए हैं। ये घटक निम्न हैं:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(i) महिलाओं को नशा मुक्त करना।

(ii) एक ऐसे संगठन को शामिल करना जो नशीली दवाओं का उपयोग करने वालों के बीच जागरूकता अभियान आयोजित करता है और उन भेद्य समूहों को चिह्नित करता है जो नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार हो सकते हैं।

ज़िला प्रशासन को पहले घटक हेतु कार्य करने का अधिकार दिया गया है, वहीं दूसरे घटक के लिये ज़िला प्रशासन आवेदन आमंत्रित करेगा।

(a) पहले मामले में रमेश को ज्ञात होता है कि ज़िले की महिलाएँ बहुत प्रतिकूल स्थिति में हैं। नशे में धुत महिलाएँ नहीं चाहती हैं कि उनके परिवार के सदस्यों को उनकी समस्याओं के बारे में पता चले। उनके पुनर्वास में सामाजिक अस्वीकृति, असुरक्षा का भय और समर्थन की कमी जैसी समस्याओं ने बाधाएँ उत्पन्न की हैं। यह भी पता चला है कि महिलाओं को सामाजिक बाधाओं एवं कलंक का सामना भी करना पड़ रहा है।

इस समस्या को हल करने के लिये रमेश को कौन-सा नया तरीका अपनाना चाहिये?

(b) आवेदनों की जाँच करते समय आप पाते हैं कि एक आवेदन उत्तम है। इसका रिकॉर्ड त्रुटिहीन है और इसने अपने उत्कृष्ट कार्य हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार प्राप्त किये हैं। हालाँकि आपके कर्मचारियों में से एक आपको बताता है कि वह संगठन के मालिक को व्यक्तिगत रूप से जानता है और आपको मालिक के बारे में दस्तावेज़ी सबूत दिखाता है कि किशोरावस्था में उसे नशीले पदार्थों के सेवन में लिप्त पाया गया था तथा विधि के अनुसार उसे दंडित किया गया था। परंतु उपरोक्त घटना के पश्चात् उसने कभी नशीले पदार्थों का सेवन नहीं किया और अब वह पूरी तरह से बदल चुका है तथा पिछले 30 वर्षों में उसने वास्तव में बहुत अच्छा काम किया है। लेकिन आवेदन में उपर्युक्त तथ्य का उल्लेख नहीं किया गया, जबकि अधिसूचना में पूर्व सज़ा, यदि कोई दी गई है, की घोषणा करना अनिवार्य था।

रमेश ने फिर भी आवेदन स्वीकार कर लिया।

क्या आप सहमत हैं कि विधिक रूप से निषिद्ध होने पर भी रमेश के कार्य नैतिक रूप से उचित हैं? क्यों या क्यों नहीं?

(250 शब्द)

Ramesh is District Magistrate of a district, which is reeling under the menace of drug abuse. The State government has started a special drive to deal with the problem, with two components in drug affected districts. These components are:

(i) To rehabilitate women drug addicts.

(ii) Engage an organization that creates awareness among drug users and identify vulnerable groups who might be prone to drug abuse.

District administration is mandated with dealing with the first component, whereas for the second component district administration will be inviting applications.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

(a) In first case Ramesh finds that women in the district are at a very disadvantageous position. Drug-addicted women don't want that their family members should know their problems. Societal disapproval, fear of exposure and lack of support further restrict their access to rehabilitation. It has also been found that women are facing social constraints and stigma.

Which new approach Ramesh should adopt to solve this problem?

(b) While scanning applications, you find that one application stands out. It has an impeccable track record and has won many awards nationally and internationally for its work. However, one of your staff tells you that he knows the owner personally and shows you the documentary evidence about the owner of the organization, that as a teenager, he was found in possession of drugs and punished in accordance with the law. But since the above incident, he never took drugs and now is a transformed man and has done really well in last 30 years. But the above fact wasn't mentioned in the application, however, in the notification, it was mandatory to declare cases of previous conviction, if any.

Ramesh went ahead and accepted the application.

Do you agree that Ramesh's actions are ethically justified even if legally prohibited? Why or why not?

(250 Words) 20

उपरोक्त समस्या को विश्लेषण निम्न प्रकार संभव है —

- जिले में नशीली दवाओं का भारी प्रयोग
- सरकार द्वारा नशामुक्ति कार्यक्रम

a) महिलाएँ अपनी पहचान उजागर नहीं करना चाहतीं

b) संगठन के आमंत्रण के संदर्भ में नियमों का पालन नहीं

हितधारक

समाज — जिलाधिकारी — महिलाएँ — सरकार — संगठन जो आवेदन देंगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

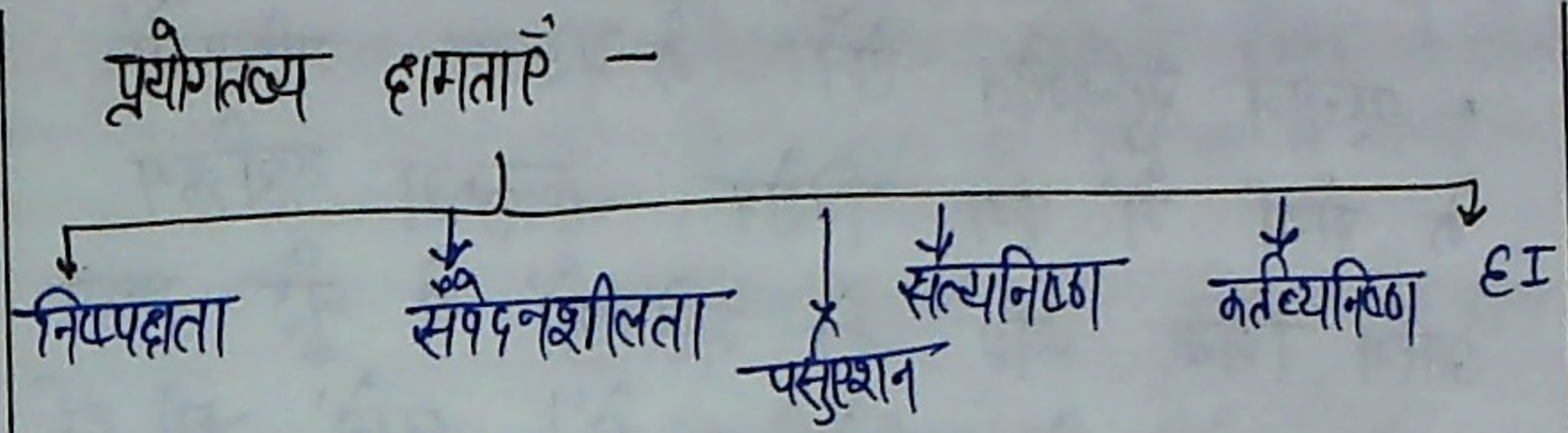

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

a) महिलाओं के संदर्भ में चलाए जा रहे नशा मुक्ति कार्यक्रम के संदर्भ में समस्याएँ –

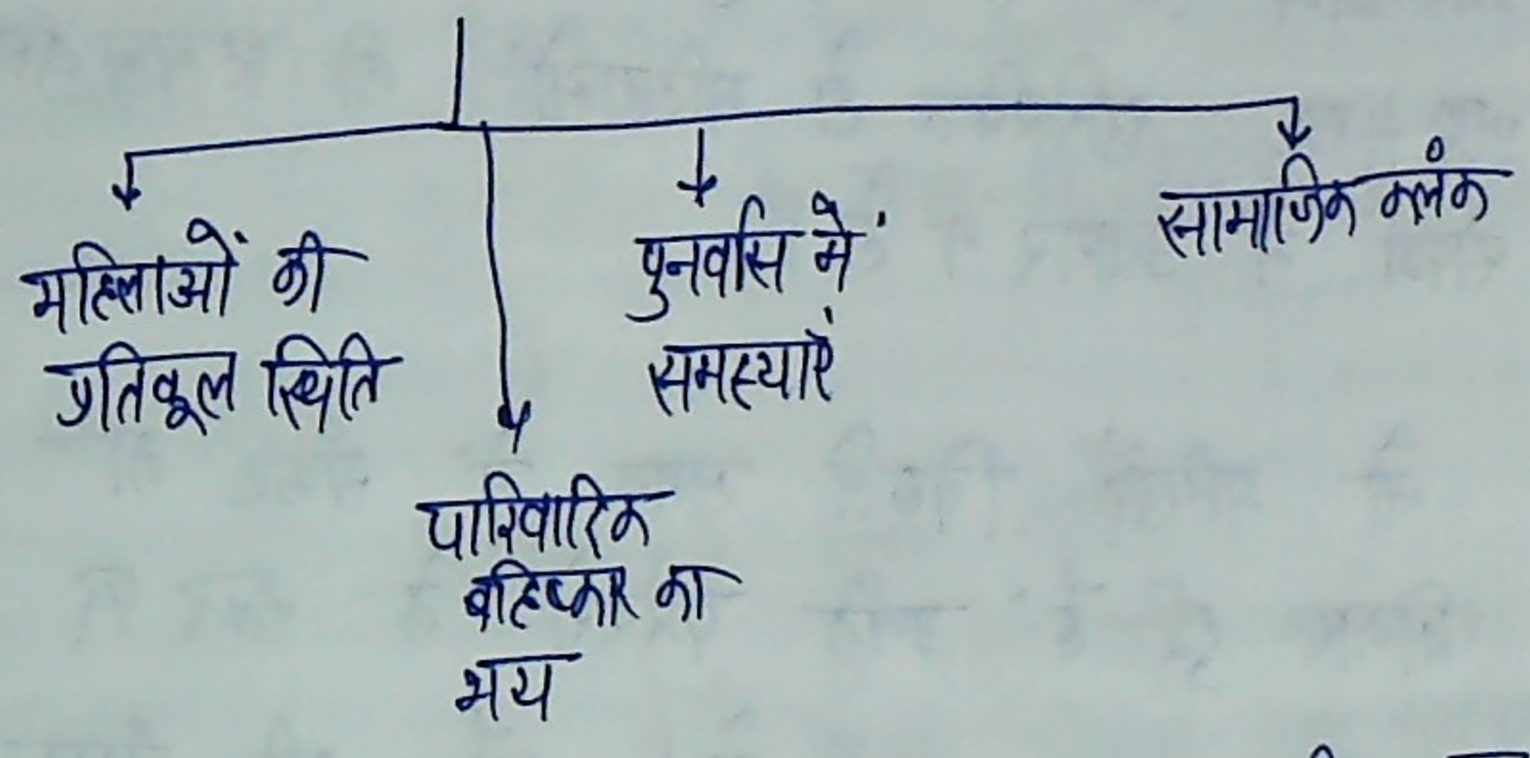

इस संदर्भ में निम्नलिखित उपाय किए जा सकते हैं –

- महिलाओं की पहचान करने का कार्यक्रम आशा द्वारा किया जाए और पहचान गुप्त रखने का कठोर आदेश हो।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- पहचान सुनिश्चित होने के पश्चात् महिलाओं के संदर्भ में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आरंभ किया जाए जो महिलाओं से जुड़े लगभग सभी मुद्दों को संबोधित करें। उसमें चुनी हुई महिलाओं को आमंत्रित किया जाए।

- अन्य जागरूकता के अंग के रूप में intensive रूप से नशामुक्ति कार्यक्रम भी चलाया जाए। यह सुनिश्चित हो महिलाओं की पहचान इस संदर्भ में उजागर न हो।

- जो महिलाएँ पिछले समय में संकट का शिकार हुई हैं उनके परिवारों के स्तर पर पर्सुएशन का प्रयास हो। और यदि संभव न हो तो सुरक्षित पुनर्वास की व्यवस्था की जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

b) समस्या –
- आवेदक द्वारा नशे के सेवन के संदर्भ में तथ्य का उल्लेख न करना
- जिलाधिकारी द्वारा संज्ञान में आने पर भी आवेदन को स्वीकृति

रमेश के कर्तव्य के संदर्भ में विधिक रूप में अवश्य प्रश्न उठाए जा सकते हैं क्योंकि उसने नियमों को नजरअंदाज किया है जो गैर-कानूनी गलत है।

नैतिक रूप से रमेश के पास दो विकल्प थे –

① स्वीकार कर ले

लाभ
- उत्तम आवेदन
- 30 वर्षों की कार्य की श्रेष्ठता, जिसका लाभ कार्यक्रम को मिलेगा
- कई प्रकार के पुरस्कार उत्कृष्ट कार्य के लिए मिल चुके हैं। अत: अनुभव का लाभ मिलेगा।
- समाज का व्यापक हित

हानि → नशे के संदर्भ में स्वयं को मिली सजा के लिए बोला गया झूठ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

② न स्वीकार करे

(हानि)
→ अनुभव से वंचित
→ योजना के कार्यान्वयन में बाधा
→ किशोरावस्था की भूल का दण्ड अब दिया जाएगा

(लाभ) → नियमों का पालन

उपरोक्त संदर्भ में लागत- लाभ विश्लेषण व व्यापक हित के आधार पर आवेदन स्वीकृति उचित है। यद्यपि यह संभव है कि उस व्यक्ति पर आवेदन स्वीकृति से पूर्व दबाव डालकर इसकी घोषणा आवेदन में करवायी जा सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. आप एक कानूनी फर्म में भागीदार हैं। आपकी फर्म के ग्राहकों में एक उच्च सामाजिक ख्याति का व्यक्ति है और उसका व्यवसाय समृद्धशाली है। यह ग्राहक आपकी फर्म से पिछले पाँच वर्षों से जुड़ा है। लेकिन अब यह ग्राहक भारत की सबसे बड़ी बैंक धोखाधड़ी का भागीदार घोषित किया गया है। ग्राहक फरार है और यह माना जा रहा है कि वह एक ऐसे देश में भाग गया है जो केवल पर्याप्त दस्तावेज़ों को प्रस्तुत करने पर ही उसे प्रत्यर्पित कर सकता है। इस मामले में जाँच एजेंसियों ने आपकी फर्म पर छापा मारा है और ऐसे दस्तावेज़ प्राप्त किये हैं जो ग्राहक के अपराधी होने का संकेत देते हैं।

परंतु आप जानते हैं कि अभी भी फर्म के पास बहुत सी ऐसी जानकारियाँ उपलब्ध हैं जो ग्राहक का अपराध सिद्ध करने के लिये अति महत्त्वपूर्ण हैं। आपको अहसास है कि उस ग्राहक को गिरफ्तार करना और उसे न्याय हेतु प्रस्तुत करना देश हित में होगा।

ऐसी परिस्थितियाँ सामने आने पर आप क्या करेंगे? विभिन्न हितों के संघर्ष का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये और देश का एक ज़िम्मेदार नागरिक होने के नाते अपनी ज़िम्मेदारियों की व्याख्या कीजिये।
(250 शब्द)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

You are a partner in a law firm. One of the clients of your firm is a man of high social repute and has a flourishing business. This client has empanelled the firm since last five years. However, this client has been involved in now what is being dubbed as India's biggest bank fraud. The client is on the run and it is believed that he has escaped to a country which can extradite him only if provided with substantial proof. In connection with this case, investigating agencies raid your firm and find incriminating evidence against the client.

But you know that, there is still a lot of information available with the firm, which is vital for ascertaining guilt of the client. You realize that it is very important for the country to get hold of the client and bring him to justice.

Faced with this situation, what will you do? Critically examine various conflicts of interest and explain what are your responsibilities as a responsible citizen of the country.
(250 Words) 20

समस्या का विश्लेषण

- ग्राहक से जुड़ी सूचनाएँ (निजता का अधिकार)
- राष्ट्र हित बनाम कंपनी का हित
- सार्वजनिक हित बनाम निजता

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

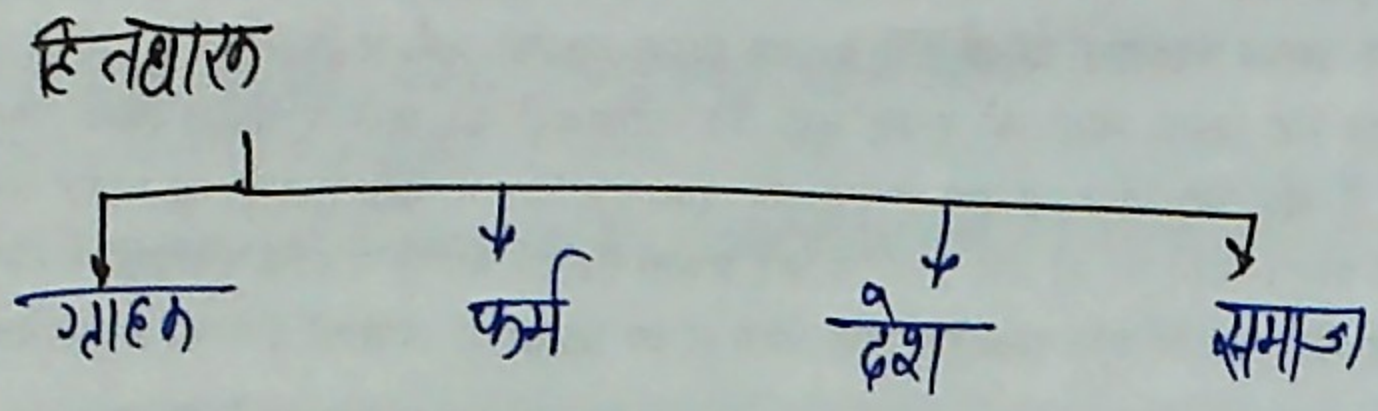

इस समस्या में निम्नलिखित हित संघर्ष हैं —

1) व्यक्तिगत निजता बनाम सार्वजनिक हित

ग्राहक की निजी जानकारी कंपनी के पास है और उसकी सुरक्षा कंपनी का दायित्व है, परंतु सार्वजनिक हित में इसे जाँच एजेंसियों को दिया जाना आवश्यक है।

2) फर्म का हित बनाम राष्ट्रहित

चूँकि व्यक्ति फर्म का एक बड़ा ग्राहक है अतः उससे विरोध फर्म को घातक होगा। वहीं दूसरी ओर सूचनाएँ न देना देश के हितों से खिलवाड़ होगा।

3) देशहित बनाम स्वहित

नौकरी जाने का खतरा

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लिख
चाहिये।
(Candidate must no
write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

4) निजी नैतिकता बनाम व्यावसायिक नैतिकता

देश का नागरिक होने के नाते मेरा कर्तव्य है कि सारी सूचनाएँ जाँच एजेंसियों को उपलब्ध करवाऊँ, वहीं व्यवसाय के स्तर पर फर्म के लाभ की सुरक्षा भी मेरा कर्तव्य है।

5) नागरिक कर्तव्य बनाम व्यावसायिक कर्तव्य

नागरिक कर्तव्य के लिए मुझे राष्ट्रहित को प्राथमिकता देनी चाहिए।

इन विभिन्न हितों संघर्षों में मूल मुद्दा यह है कि मेरा पास उपलब्ध जानकारियों जो जाँच एजेंसियों को नहीं मिली हैं, को जाँच एजेंसी को दी जाए या नहीं। इस संदर्भ में व्यापक हित कहता है कि सहायता की जाए, परंतु यह फर्म व ग्राहक के विरुद्ध होगा।

नागरिक होने के नाते कर्तव्य –

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1) देश हित को सर्वोपरि समझूँ।

2) कानूनों के पालन में सहयोग करूँ।

3) देश हित के लिए तुच्छ हितों का त्याग किया जाए।

4) देश की छवि व लोक व्यवस्था सुधार के लिए जानकारियाँ अवश्य दी जाएँ।

5) ग्राहक को पकड़ने व न्याय के लिए सहयोग आवश्यक है।

मेरा निर्णय–

① ऐसे स्थिति में यह कोशिश करूँगी कि इस संदर्भ में कंपनी के उच्च प्रशासन को जानकारी देकर सहयोग हेतु तैयार किया जाए।

② यदि वे इसके लिए तैयार नहीं होते हैं तो मैं व्हिसल ब्लोअर के रूप में अपनी बात जाँच एजेंसियों तक पहुँचाने का प्रयास करूँगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख[illegible] चाहिये। (Candidate must no[illegible] write on this margi[illegible]

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

(3) यदि फिर भी संभव नहीं हुआ तो यह कोशिश करूँगी कि मनोपचारिक रूप से सूचना जाँच ऐजेंसी तक पहुँचाकर पुनः छापे की योजना बनाई जाए।

इस संदर्भ में दूसरा विकल्प सर्वथा उचित है जिससे राष्ट्रहित व व्यक्तिगत हित संतुलित रह सकेंगे।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. आप एक आई.पी.एस. प्रोबेशनर हैं तथा प्रथम नियुक्ति का सेवाभार ग्रहण करने वाले हैं। जब आप सेवाभार ग्रहण करने जाते हैं तो रास्ते में एक हंगामा देखते हैं जिसमें एक पुलिसकर्मी को किसी अल्पसंख्यक समुदाय के ऑटो चालकों द्वारा पीटा जा रहा है, जब आप घटना स्थल पर पहुँचते हैं तो पता चलता है कि स्थिति पहले से विपरीत हो गई है तथा अब ऑटो चालकों को पुलिसकर्मियों द्वारा कानून को ताक पर रखकर पीटा जा रहा है। आप हस्तक्षेप करने का असफल प्रयास करते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

जैसे ही यह हंगामा समाप्त होता है, आप देखते हैं कि इसे एक राजनीतिक एवं धार्मिक रूप दिया जा रहा है और मीडिया के समक्ष सनसनीखेज घटना बनाने का प्रयास किया जा रहा है। तत्पश्चात् आपको यह भी ज्ञात होता है कि जिस पुलिसकर्मी की पिटाई की जा रही थी, वह विभाग के सबसे ईमानदार पुलिसकर्मियों में से एक था।

सेवाभार ग्रहण करने के बाद आपको यह मामला सौंपा जाता है और इसकी जाँच करने के लिये कहा जाता है। परंतु जनता के आक्रोश तथा राजनीतिक दखल के कारण आप पर पुलिसकर्मियों को कठोर सज़ा देने के लिये दबाव डाला जा रहा है।

हालाँकि आपके द्वारा कठोर सज़ा दिये जाने से पुलिसकर्मियों का मनोबल गिरेगा, वहीं प्रभावहीन सज़ा समाज में असंतोष उत्पन्न करेगी।

आपको इस परिस्थिति में कैसी प्रतिक्रिया देनी चाहिये? इस मामले में आपके समक्ष कौन-सी दुविधाएँ हैं?

(250 शब्द)

You are an IPS probationer, about to join your first posting. While on your way to join , you saw a commotion in which a policeman was being beaten up by auto drivers of a minority community. However, when you reach the site you realize that the scenario has reversed and now the auto drivers are being beaten up by the policemen in vigilante fashion. You unsuccessfully try to intervene.

As soon as it ended, you find that it is being given a political and religious color, and media sensationalism. Later, you also come to know that the policeman who was being beaten up was one of the most honest policemen in the department.

After joining you have been assigned this case, and asked to conduct an inquiry. But due to the passion of the public and the politics involved, you are being pressurized to give exemplary punishment to policemen.

However for you, exemplary punishment will result in demoralization of policemen, whereas lighter punishment will create uproar in society.

How should you respond to the situation? What are the dilemmas you face in this case?

(250 Words) 20

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

समस्या का विश्लेषण —

- पुलिस व ऑटोकर्मियों में तनाव
- राजनीतिक व धार्मिक रूप दिया जा रहा है
- मीडिया का गैर जिम्मेदाराना रवैया
- मामले की जाँच व कार्यवाही

हितधारक

- मैं स्वयं
- ऑटोचालक
- अल्पसंख्यक समुदाय
- पुलिस
- मीडिया
- सरकार

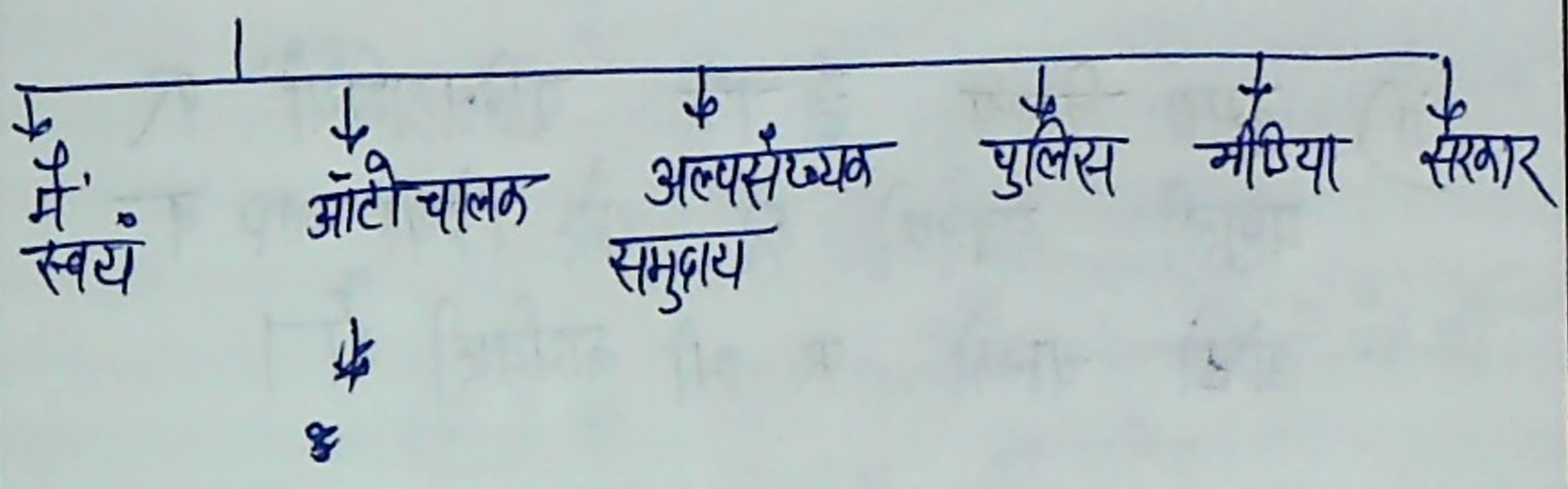

प्रयोगतव्य क्षमता —

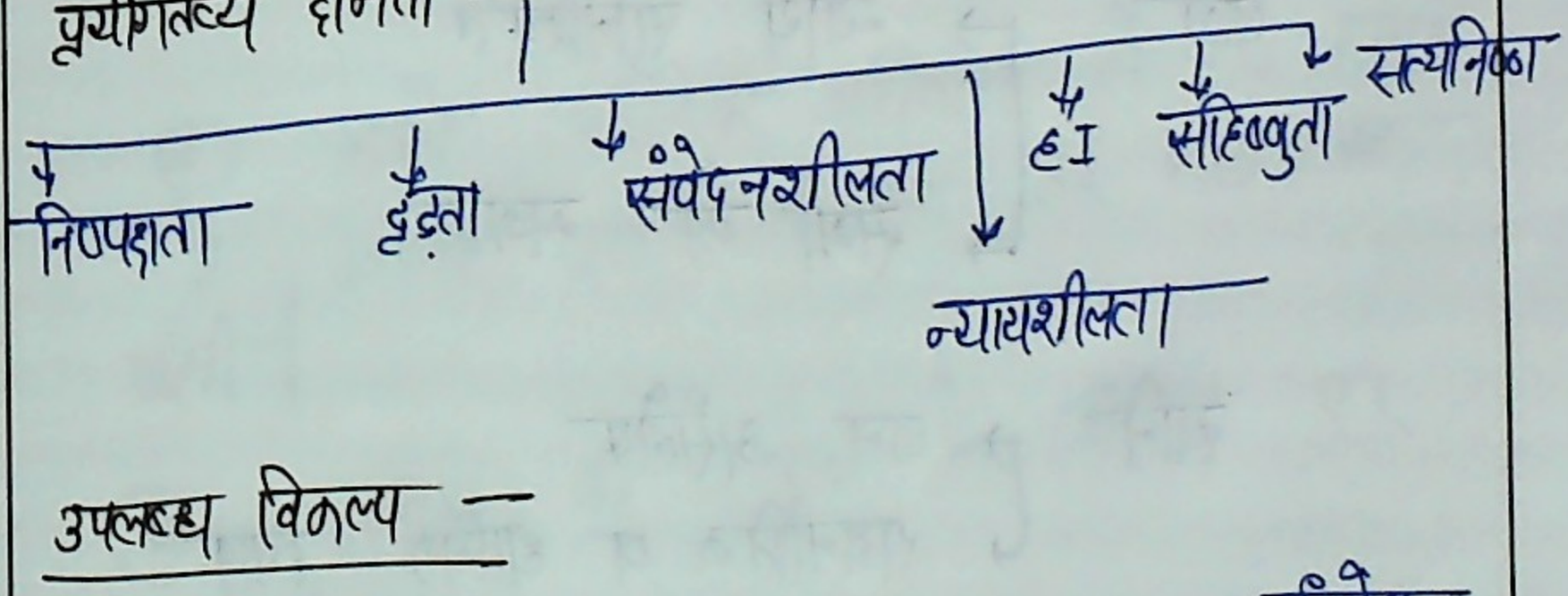

- निष्पक्षता
- दृढ़ता
- संवेदनशीलता
- न्यायशीलता
- EI
- सहिष्णुता
- सत्यनिष्ठा

उपलब्ध विकल्प —

1) पहला विकल्प है कि जन असंतोष को देखते हुए पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही हो

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लाभ → जनता में असंतोष
→ राजनीतिक दबाव से मुक्ति
→ सामाजिक शाँति की स्थापना

हानि → पुलिसकर्मियों से भेदभाव
→ निष्पक्षता का खण्डन

ii) दूसरा विकल्प है कि पुलिसकर्मियों पर मामूली कार्यवाही कर छोड़ दिया जाए व ओछी चालों पर भी कार्यवाही हो।

लाभ → न्याय सुनिश्चित
→ सभी को सजा

हानि → जन असंतोष
→ राजनीतिक व धार्मिक दबाव

उम्मीदवार को इस
हाशिये में नहीं लि
चाहिये।
(Candidate must n
write on this marg

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(ii) तीसरा विकल्प है कि मामलों की निष्पक्ष जाँच के लिए एक समिति गठित हो जिसमें वैविध्य का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। समिति को निम्न कार्य सौंपे जाएँ —

(क) मामले में पर्याप्त साक्ष्यों को आधार बनाया जाए।

(ख) पुलिसकर्मियों की जवाबदेही की जाँच हो

(ग) मामलों के संदर्भ में अल्पसंख्यक मुद्दे की जाँच

(घ) ऑटोचालकों के संदर्भ में भी अपराध की जाँच

(2) अपने सीनियर अधिकारी से ऐसे मामले में अपनी पूरी बात बता कर सलाह लूँगी।

(3) समिति की रिपोर्ट के आधार पर कार्यवाही —

(क) पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही नियमानुसार, क्योंकि आयोग का उल्लंघन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किया गया और ईमानदारी के आधार पर उल्लंघन को दरकिनार नहीं कर सकते।

(ख) ऑटोचालकों पर भी पुलिस पर हाथ उठाने के लिए आवश्यक कार्यवाही

(ग) राजनीतिक दबाव के आगे न झुकना

(घ) न्याय जवाबदेही के आधार पर न कि किसी दबाव में किया जाए।

इस विकल्प के लाभ —

(क) न्याय का अनुपालन

(ख) दोषी पर कार्यवाही

(ग) निष्पक्षता का पालन

ऐसी स्थिति में इसी विकल्प को चुनूँगी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation